⇒ 5 राजनीतिक आधुनिकीकरण उपागम (Political Modernisation Approach)

→ हेप्टर ने ऐसी अवधारणा के प्रयोग पर बल दिया जो स्थैतिकता के दुर्गुणों से मुक्त हो तथा समाज के हर पहलू में होने वाले परिवर्तन की समग्रता से सम्बन्धित रहे।

→ राजनीतिक आधुनिकीकरण के लक्षण:-

- संस्थाएं समकालिक कार्यों के निष्पादन में आगे बढ़े।
- केन्द्र (राजनीतिक व्यवस्था) और परिधि (समाज) की अंतःक्रिया बढ़ जाती है। राजनीतिक दल, हित एवं दबाव समूह, नौकरशाही, एवं निर्वाचनों के माध्यम से सम्पर्कता बढ़ती है तथा संचार साधनों द्वारा इनमें निरन्तरता बनी रहती है।
- आधुनिक राजनीतिक समाजों में धार्मिक, परम्परागत, पारिवारिक, जातीय सत्ताओं का स्थान एक लौकिकीकृत और राष्ट्रीय राजनीतिक सत्ता द्वारा ले लिया जाता है।
- राजनीतिक संस्थाओं का विभिन्नीकरण और विशेषीकरण होना अनिवार्य है।
- राजनीतिक सहभागिता एवं व्यक्तियों की अभिवृत्तियों में परिवर्तन।
- नौकरशाही के आकार का व्यापक आधार हो अर्थात् प्रशासक वर्ग/तत्व के समाज के सभी वर्गों से आ सके।

⇒ 6. राजनीतिक संस्कृति उपागम (Political Culture Approach):-

→ राजनीतिक संस्कृति एक समाजशास्त्रीय शब्द है जिसमें राजनीतिक विचारवाद, राष्ट्रीय लोकाचार, राष्ट्रीय मनोविज्ञान, जनता के मौलिक मूल्य आदि अवधारणाएं शामिल है।

- विशुद्ध आनुभविक दृष्टि से राजनीतिक संस्कृति का सर्वप्रथम प्रयोग आमण्ड तथा पावेल द्वारा विकासशील देशों के अध्ययन में किया गया।

- "राजनीतिक संस्कृति किसी राज-व्यवस्था के सदस्यों में राजनीति के प्रति व्यक्तिगत अभिवृत्तियों और दिशा-स्थापनों का नमूना है" (आमण्ड और पावेल)

→ राजनीतिक संस्कृति की प्रकृति एवं लक्षण:- एक व्यक्ति अथवा सम्पूर्ण समाज का राजनीतिक व्यवस्था के प्रति जो आग्रह होते हैं, उन्हें ही सामूहिक रूप से राजनीतिक संस्कृति कहा जाता है।